

an>

title: Need to develop Haridwar as an international tourist and spiritual centre.

ॐ. रमेश पोखरियाल निषंक (हरिद्वार): माननीय अध्यक्ष जी, हरिद्वार, जो गंगोत्री से 300 किलोमीटर की दूरी पर है, विष्णु की सांस्कृतिक, आरथा और आध्यात्मिकता का केन्द्र है। ... (व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record. Only Dr. Ramesh Pokhriyal Nishank's statement will go on record.

â€|(Interruptions)â€| \*

माननीय अध्यक्ष: ऐसा नहीं होता है। आप लोग बैठ जाइए।

â€|(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप लोग बैठ जाइए। आज जीरो आवर चलने टीकिए।

â€|(व्यवधान)

ॐ. रमेश पोखरियाल निषंक: यह नगर प्राकृतिक छटा, मनोलारी गंगा तटों, आरतियां के नैनाभिराम दृश्यों, विभिन्न आश्रमों एवं अर्थाड़ों वाला और ऐसा स्वतःस्फूर्ति केन्द्र है, जहां विश्वभर से तीर्थ यात्री, शूद्रात् और पर्वतक आते हैं। ... (व्यवधान) हरिद्वार इस समय यातायात की बहुत तुरी परिस्थितियों से गुजर रहा है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप लोग बैठ जाइए। अभी नहीं कहेंगे। आपको नियम 193 में छोड़े वाली वर्चा में समय मिलेगा।

... (व्यवधान)

ॐ. रमेश पोखरियाल निषंक: यहां कांवड़ मेला चल रहा है, जहां प्रतिदिन लायों यात्री आ रहे हैं, कांवड़ मेला यात्री आ रहे हैं। ... (व्यवधान) यहां छठ छः वर्ष में अर्धक्रम और बारह वर्षांतः में कुम्भ छोड़ा है। ... (व्यवधान) इस समय यहां यातायात की बहुत खाब रिथिति है, जो राष्ट्रीय राजमार्ग बन रहा है, वह अब तक पूरा हो जाना चाहिए था। ... (व्यवधान) उसके पूरा न छोड़े के कारण आठ-आठ घण्टे तक का जाम लगता है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: खड़े जी, बैठ जाइए। आपको नियम 193 में छोड़े वाली वर्चा में समय मिलेगा।

... (व्यवधान)

ॐ. रमेश पोखरियाल निषंक: लोग पेशान हो रहे हैं, यहां तक कि एक्युलेस भी नहीं जा पा रही है और लोगों को ठम तोड़ना पड़ रहा है। ... (व्यवधान) हमारे यशस्वी मंत्री आदरणीय नितिन गडकरी जी ने उस कंपनी को फटकार लगाई थी, लेकिन अभी तक वह काम पूरा नहीं हो रहा है। ... (व्यवधान) मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं कि उस कंपनी को बैंकटिस्ट करके, युद्धस्तर पर वहां काम कराया जाए। ... (व्यवधान) रुडकी से हरिद्वार और आर्मीष्टकेश तक पलाईओवर बनाया जाए। रुडकी, हरिद्वार, आर्मीष्टकेश, टेलरातून और मयूरी तक मोरो रेल के लिए तत्काल स्वीकृति प्रदान की जाए। ... (व्यवधान) छठ रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज बनाया जाए, जो जबरेला, देवबन्द और रुडकी का रेलवे मार्ग है, यदि वह काम तत्काल हो सकता है तो उसका बहुत बड़ा लाभ देश और दुनिया के लोगों को होगा। ... (व्यवधान)

## 12.09 hours

(Shri Mallikarjun Kharge, Shri P. Karunakaran, Prof. Saugata Roy and some other hon. Members then left the House.)

ॐ. रमेश पोखरियाल निषंक: महोदया, जो हरिद्वार वार्षिकास है, जो सुरंगों के माध्यम से जाएगा, उससे बहुत बड़ा समाधान निकल सकता है, वह करीब 1000 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट है। ... (व्यवधान) मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करता हूं, युक्ति हरिद्वार पूरे विष्णु में अध्यात्म का एक केन्द्र है, इसलिए यहां पूरी दुनिया से लोग आते हैं। ... (व्यवधान) इसको भी तत्काल स्वीकृत कर दिया जाये। ... (व्यवधान) शहर में कुड़ा निर्माण की सुविधा एवं अन्य जो भी सुविधायें हैं, ... (व्यवधान) उसको सुनिश्चित करते हुए एक विशेष पैकेज दिया जाये। ... (व्यवधान)

मैं आपके माध्यम से अपनी सरकार से, जो बहुत सारा काम कर रही है, मांग करता हूं कि यह काम भी हो जाएगा तो मैं आभारी रहूँगा। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री शश त्रिपाठी,

मेरे प्रसाद मिश्र,

श्री वन्द्र प्रकाश जोशी और

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को डॉ. रमेश पोखरियाल निषंक हारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€|(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यह अच्छी बात नहीं है।

माननीय अध्यक्ष : वेरी बैड।

स्मारण और उर्चरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्तकुमार) : अध्यक्ष मठोटणा जी, ऐसे इस सठन में, खास कर विपक्ष को कोई गतातफ़हमी नहीं होना चाहिए... (व्यवधान) हमारी जो सरकार बेरेन्द्र भाई मोटी जी के नेतृत्व में है, वह किसानों का छित करने वाली एवं किसानों के छित को सर्वोपरि मानने वाली, अब की बार आरत सरकार है। ... (व्यवधान) मैं यह भी कहना चाहूँगा कि हम विपक्ष के साथ बात कर चुके थे और उनको कठ चुके थे कि किसान संबंधी समस्याओं के बारे में और कृषि संकट के बारे में वर्चा करने के लिए हम तैयार हैं, हम कभी भी इस पर वर्चा करने के लिए तैयार हैं। ... (व्यवधान)

इसलिए आपकी आज्ञा अनुसार नियम 193 के तहत, वह आज विजनेस में भी है और विटाई समारोह के बाद तुरंत हम उसको प्रथम प्रशस्त में, प्रायोरिटी में लेने वाले हैं। मैं उनसे एक बार और निवेदन करूँगा कि इसमें वे आगे तो और किसान छित साधाने के लिए जो सुझाव देना चाहिए, उसमें वे कृपया पार्टीसिपेट करें।

माननीय अध्यक्ष : यह होना चाहिए, उनको भी समझना चाहिए, सभी को वर्चा के लिए मौका मिलेगा।

श्री श्यामा वरण गुप्त जी।